02.09.23

पशुपालकों के लिए पशुपालन जागरूकता व लुवास यूनिवर्सिटी मिनरल मिक्सचर सेल कैंप का आयोजन

ना का अपने गतव्य तक
ी सुविधा के लिए रोडवेज
तिरिक्त फेरे भी लगाए थे।

बस चलाने के बावजूद भी रोडवेज को किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं उठाना पड़ा।

-ब्रह्मप्रकाश सीआई रोडवेज डिपो नारनौल।

सिलारपुर व राता कलां में पशु आहार के प्रति किया जागरूक

नारनौल। लुवास यूनिवर्सिटी की ओर से सिलारपुर व राता कलां में पशु आहार में खनिज मिश्रण के महत्व पर डा. देवेन्द्र सिंह व डा. ज्योति शुन्थवाल की ओर से जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर गांव सिलारपुर व राता कलां के पशु अस्पताल में डा. रविकांत सोनी पशु चिकित्सक के सहयोग से किया गया। इस कैंप में पंजीकृत पशुपालकों ने बढ़-चढ़कर मिनरल मिक्सचर खरीदा। वैज्ञानिक डा. देवेन्द्र सिंह ने कैंप में आए पशुपालकों को पशुपालन में नियमित रूप से मिनरल मिक्सचर खिलाने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें बताया कि पशुपालन में खनिज मिश्रण का बहुत ही अधिक महत्व है। ये पशुओ में दूध उत्पादन के साथ साथ पशुओं की प्रजनन क्षमता को भी दुरुस्त करता है। इस अवसर पर डा. रविकांत सोनी पशु चिकित्सक ने बताया कि खनिज मिश्रण हर पशुपालक को रोजाना अपने पशुओं को खिलाना चाहिए, ताकि पशुओं में प्रजनन व दूध उत्पादन सम्बंधित किसी भी तरह की समस्या न आए। डा. ज्योति शुन्थवाल ने

खनिज मिश्रण में पशुपालकों ने दिखाई रुचि

नारनौल। लुवास यूनिवर्सिटी द्वारा ग्राम सिलारपुर व राता कलां में पशु आहार में खनिज मिश्रण के महत्व पर डॉ. देवेंद्र सिंह व डॉ. ज्योति शुन्थवाल द्वारा जागरूकता शिविर लगाया गया। शिविर गांव सिलारपुर व राता कलां के पशु अस्पताल में डॉ. रविकांत सोनी पशु चिकित्सक के सहयोग से लगाया गया। शिविर में पंजीकृत पशुपालकों ने बढ़-चढ़कर मिनरल मिक्सचर ख़रीदा। वैज्ञानिक डॉ. देवेंद्र सिंह ने कैंप में आए पशुपालकों को पशुपालन में नियमित रूप से मिनरल मिक्सचर खिलाने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें बताया कि पशुपालन में खनिज मिश्रण का बहुत ही अधिक महत्त्व है। ये पशुओं में दूध उत्पादन के साथ साथ पशुओं की प्रजनन क्षमता को भी दुरुस्त करता हैं। संवाद

दैनिक भास्कर
नारनौल भास्कर 02-09-2023

लुवास यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने पशुपालकों को किया जागरूक

दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए खनिज मिश्रण जरूरी

भास्कर न्यूज | नारनौल/मंडी अटेली

लुवास यूनिवर्सिटी की ओर से ग्राम सिलारपुर एवं राता कलां में पशु आहार में खनिज मिश्रण के महत्व पर डॉ. देवेन्द्र सिंह व डॉ. ज्योति शुन्थवाल द्वारा जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

ये शिविर सिलारपुर व राता कलां के पशु अस्पताल में डॉ रविकांत सोनी पशु चिकित्सक के सहयोग से लगाए गए। पशु वैज्ञानिक डॉ. देवेन्द्र सिंह ने पशुपालकों को पशुओं को नियमित रूप से मिनरल मिक्सचर खिलाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए बताया कि पशुपालन में खनिज मिश्रण का बहुत ही अधिक महत्त्व है। यह पशुओं में दूध उत्पादन के

साथ-साथ पशुओं की प्रजनन क्षमता को भी दुरुस्त करता है।

डॉ. रविकांत सोनी, पशु चिकित्सक ने बताया कि खनिज मिश्रण हर पशुपालक को रोजाना अपने पशुओं को खिलाना चाहिए, ताकि पशुओं में प्रजनन व दूध उत्पादन संबंधित किसी भी तरह की समस्या ना आए। डॉ. देवेन्द्र सिंह ने बताया कि खनिज मिश्रण पशुओं में रामबाण की तरह काम करता है। इसे खिलाने से पशुओं में होने वाली लगभग सभी समस्याओं जैसे पशु का बार बार फिरना, गूंगा आमा, जेर अटकना, लंगड़ापन, दुग्धज्वर, पशुओं में दूध कम होना आदि समस्याओं से निजात मिलती है।

डॉ. ज्योति शुन्थवाल ने बताया कि दक्षिण हरियाणा जहां हरे चारे की कमी पशुपालन में आम हैं, वहां पशुपालन में खनिज मिश्रण के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए लुवास यूनिवर्सिटी के हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ द्वारा इस तरह के कैंप का आयोजन अलग-अलग गांव में किया जाता है। डॉ. ज्योति शुन्थवाल ने पशुपालन में हरे चारे का महत्त्व, साथ ही पशु आहार में मिलेट या मोटा अनाज जैसे बाजरा आदि के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया। पशुपालकों को वर्तमान में आपदा जैसे बाढ़ आदि स्थिति में पशु आपदा प्रबंधन के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। कैंप में पशुपालकों ने वैज्ञानिकों के साथ पशुपालन से जुड़ी समस्याओं के बारे में भी चर्चा की।